

Sl.No. :

नामांक	Roll No.

No. of Questions – 23

No. of Printed Pages – 7

VU-86-Vyak. Shastra (D&D)

वरिष्ठ उपाध्याय (मूक-बधिर) परीक्षा, 2023
VARISHTHA UPADHYAYA (DEAF & DUMB)
EXAMINATION, 2023

व्याकरणशास्त्रम् (ऐच्छिकम्)

समय : 4 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थीभ्यः सामान्यनिर्देशः

- 1) परीक्षार्थीभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामांकः अनिवार्यतो लेखनीयः।
- 2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।
- 3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि।
- 4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्र एव लेखनीयानि।
- 5) सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतमाध्यमेन एव लेखनीयानि।

यहाँ से काटिए

अलग प्रश्न को छोड़ने के लिए यहाँ काटें

यहाँ से काटिए

2
खण्डः - 'अ'

1) वस्तुनिष्ठ प्रश्ना :-

- | | |
|--|------------------|
| i) लिह शब्दस्य सम्पूर्णं रूपमस्ति- | [1] |
| अ) लिहोः | ब) लिहि |
| स) लिट्सु | द) त्रीणि |
| ii) 'सौ च' इति सूत्रेण दीर्घो भवति- | [1] |
| अ) सौ परे | ब) सुषि परे |
| स) तिङि परे | द) डौ परे |
| iii) चतुर शब्दो नित्यं वचनान्तोऽस्ति- | [1] |
| अ) एकवचनान्तः | ब) द्विवचनान्तः |
| स) बहुवचनान्तः | द) चतुर्वचनान्तः |
| iv) 'चतसृणाम्' इत्यत्र णत्वं भवति- | [1] |
| अ) 'अट्कुप्वाङ्नुम्ब्यवायेडपि' इत्यनेन | |
| ब) 'रषाभ्यां नो ण समानपदे' इत्यनेन | |
| स) 'पूर्वपदात्सञ्जायामगः' इत्यनेन | |
| द) 'ऋवर्णन्नस्य णत्वं वाच्यम्' इत्यनेन | |
| v) नहो हस्य भवति- | [1] |
| अ) घः | ब) ढः |
| स) धः | द) सु |

- vi) 'तुदन्ती' इत्यत्र नुमागमविधायकं सूत्रं किम्? [1]

अ) आच्छीनद्योर्नुम् ब) वा नपुंसकस्य
 स) शप्यनोर्नित्यम् द) नामि

vii) गवाश्शब्दस्य सप्तसु विभक्तिषु आहत्य कति रूपाणि भवन्ति? [1]

अ) नवाधिकशतम् ब) अष्टचत्वारिंशत्
 स) सप्तत्रिंशत् द) सप्तविंशत्यधिकपञ्चशतम्

viii) 'पुनर्' इत्यत्र अव्ययसज्जासूत्रमस्ति- [1]

अ) तद्वितश्चासर्वविभक्तिः ब) स्वरादिनिपातमव्ययम्
 स) अव्ययीभावश्च द) कृन्मेजन्तः

ix) त्रिषु लिङ्गेषु किं सदृशं भवति? [1]

अ) सुबन्तम् ब) तिडन्तं कृदन्तं च
 स) तद्वितान्तम् द) अव्ययम्

x) 'कर्ती' इत्यत्र कः प्रत्ययः? [1]

अ) डीप् ब) डीन्
 स) डीष् द) ई

xi) ऊर्मिशब्दः कस्मिन् लिङ्गे प्रयुज्यते ? [1]

- | | |
|----------------------------|-----------------|
| अ) पुलिङ्गे | ब) स्त्रीलिङ्गे |
| स) पुलिङ्गे स्त्रीलिङ्गे च | द) नपुंसकलिङ्गे |

xii) 'सोपधः' इति सूत्रस्य किम् उदाहरणमस्ति ? [1]

- | | |
|-----------|----------|
| अ) पनसम् | ब) बुसम् |
| स) साहसम् | द) वत्सः |

2) रिक्तस्थानानि पूर्यत -

- i) इदमोऽन्वादेशे | [1]
- ii) प्रथमायाश्च भाषायाम् | [1]
- iii) केवलमामक | [1]
- iv) 'मृद्वी' इत्यत्र वोतो गुणवचनात् इति सूत्रेण प्रत्ययो भवति। [1]
- v) भूमिविद्युत्स | [1]
- vi) गृहमेहदेह | [1]

3) अति लघूत्तरात्मक प्रश्ना :-

- i) युष्मदस्म दोः मपर्यन्तस्य जसि परे कौ आदेशौ भवतः? [1]
- ii) 'षान्ता षट्' इति सूत्रस्य अर्थो लेख्यः। [1]
- iii) 'इयम्' इत्यत्र दस्य क आदेशः? [1]
- iv) 'दीव्यन्ती' इत्यत्र नुमागमः केन सूत्रेण भवति? [1]
- v) 'विसृपः' इत्यत्र अव्ययसज्ञासूत्रं लिखत। [1]
- vi) 'भवती' इत्यत्र डीप् – प्रत्ययः केन सूत्रेण भवति? [1]
- vii) क्रियाजनकत्वं किं भवति? [1]
- viii) 'कृष्णः' इत्यत्र प्रथमाविभक्तिः केन सूत्रेण भवति? [1]
- ix) 'पुण्येन दृष्टो हरिः' इत्यत्र पुण्येनेत्यत्र तृतीया केन भवति? [1]
- x) 'आख्यातोपयोगे' इति सूत्रस्य अर्थो लेख्यः। [1]
- xi) 'निधिः' इति शब्दः कस्मिन् लिङ्गे प्रयुज्यते? [1]
- xii) 'दैवम्' इत्यत्र लिङ्गविधायकं सूत्रं लिखत। [1]

6
खण्डः – ‘ब’

- 4) ‘अनडवान्’ इति रूपं साधयत। [2]
- 5) ‘इदोऽय् पुंसि’ इति सूत्रं व्याख्यायताम्। [2]
- 6) ‘सः’ इति रूपं साधयत। [2]
- 7) ‘सजूः’ इति प्रयोगः साधनीयः। [2]
- 8) ‘अपो भिः’ इति सूत्रं व्याख्यायताम्। [2]
- 9) ‘अहन्’ इति सूत्रं व्याख्येयम्। [2]
- 10) ‘दण्डः’ इति रूपं साधयत। [2]
- 11) ‘कृन्मेजन्तः’ इति सूत्रस्य सोदाहरणमर्थो लेख्यः। [2]
- 12) ‘डाबुभाभ्यामन्यतरस्याम्’ इति सूत्रं व्याख्येयम्। [2]
- 13) ‘ईप्सितः किम्? पुष्पेभ्यो वने स्पृहयति’ इति स्पष्टयत। [2]
- 14) ‘यतश्च निर्धारणम्’ इति सूत्रं व्याख्येयम्। [2]
- 15) अक्षशब्दः इन्द्रियेऽर्थे केन सूत्रेण कस्मिन् लिङ्गेच प्रयुज्यते? [2]
- 16) ‘श्रीः’ इत्यत्र केन सूत्रेण किं लिङ्गंच भवति? [2]

7

17) अधोलिखितेषु क्योश्चिद् द्वयोः सिद्धिः विधेया - [3]

18) अधोलिखितेषु क्योश्चिद् द्वयोः सिद्धिः लेख्या - [3]

19) अधोलिखितेषु कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ - [3]

20) अधोलिखितेषु प्रयोगद्वयं साधनीयम्- [3]

- अ) सुधां क्षीरनिधि मथनाति। ब) हरये रोचते भक्तिः। स) मातुः स्मरति।

ਖਣਡ: - 'ਦ'

21) निम्नलिखितेषु कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ- [4]

- स) पन्थाः द) युष्माकम्

22) अधोलिखितेषु कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयै- [4]

- स) नरी द) सहोर्सः

23) अधोलिखितेषु प्रयोगद्वयं साधनीयम्- [4]

- अ) शत्रुं अगमयत् स्वर्गम्। ब) अन्तरेण हरिं न सुखम्।

- स) रामेण बाणेन हृतो बाली। द) हिमवतो गङ्गा प्रभवति।



DO NOT WRITE ANYTHING HERE